University in News on 30 August 2024

HINDUSTAN PAGE 8

खेल और राष्ट्र निर्माण में गहरा नाताः प्रो. आलोक

खेल दिवस

लखनऊ। खेल और राष्ट्र निर्माण के बीच एक गहरा रिश्ता है। खेल न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं, बल्कि जीवन से जुड़े अन्य व्यावहारिक पक्षों को मजबूत करता है। ये बातें एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गुरुवार को कहीं। वह मेजर ध्यानचन्द की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर एलयू में आयोजित संगोष्ठी व परिचर्चा में बोल रहे थे।

कुलपति ने कहा कि खेल भावना समुदायों और राष्ट्रों को एक सूत्र से बांधने और एक पहचान बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस

मेजर ध्यानचन्द की जयंती पर राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है।

अवसर पर प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने खेल और छात्रों के जीवन पर बात की। डीएसडब्ल्यू प्रो. वीके शर्मा ने क्रीड़ा एवं स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा की। खेल एवं राष्ट्र निर्माण विषय पर आयोजित इस परिचर्चा में खेल से जुड़े विभिन्न सामाजिक, पक्षों पर चर्चा की गई।

खेल प्रतियोगिताएं

आलमबाग स्थित कृष्णा देवी गर्ल्स डिग्री कॉलेज में खेल प्रतियोगिताएं हुई। मुख्य अतिथि समाज सेविका रीना त्रिपाठी और नॉन ओलंपिक एसोसिएशन के पदाधिकारी योगेंद्र चौधरी रहे। प्राचार्या प्रो. सारिका दुबे ने बताया कि स्लो साइकिलिंग रेस में शालिनी, बनाना रेस में कोमल ने जीत दर्ज की।

डॉक्यूमेंट्री दिखाई

खुन खुन जी में मेजर ध्यानचंद के जीवन पर आधारित एक डाक्यूमेंट्री दिखाई गई। मुख्य अतिथि शतरंज के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी आनंद सिंह रहे। उन्होंने छात्राओं को समझाया कि खेलों से हम टीम वर्क सीखते हैं। प्राचार्या प्रो. अंशु केडिया ने बताया कि प्रश्नोत्तर सत्र में छात्राओं ने कई प्रश्न भी पूछे।

हौसले से जीते जाते युद्ध और खेलः प्रो. संजय सिंह

डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में कुलपति ने मेजर ध्यानचंद के स्मृति चित्र पर माल्यार्पण किया। कुलपति प्रो. संजय सिंह ने कहा कि ध्यानचंद की खेल के प्रति निष्ठा बेजोड़ थी। उन्होंने सीमित संसाधन होते हुए भी अपनी मेहनत से देश का नाम विश्व पटल पर अंकित किया। युद्ध और खेल हौसले से जीते जाते हैं। कुलपति ने नीरज चोपड़ा और मनु भाकर के परिश्रम की भी सराहना की।

एलयू में एमएड पाठ्यक्रम की च्वाइस फिलिंग शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2024-25 परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया के तहत एमएड पाठ्यक्रम की च्वाइस फिलिंग शुरू कर दी गई है। इस संबंध में प्रवेश समन्वयक की ओर से निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्रवेश समन्वयक डॉ. अनित्य गौरव ने बताया कि 31 अगस्त तक अभ्यर्थी च्वाइस फिलिंग कर सकेंगे। लॉगिन आईडी व पासवर्ड का इस्तेमाल करना होगा।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

चार वर्षीय स्नातक में दाखिले कल तक

लविवि : दो दिन का मौका, 7.5 सीजीपीए वाले विद्यार्थी ही पाएंगे सातवें सेमेस्टर में प्रवेश

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विवि में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में आवेदन करने के लिए विद्यार्थियों के पास दो दिन का और मौका है। नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद से लविवि पहली बार चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश व्यवस्था शुरू कर रहा है। आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त तय है।

लविवि ने अपने यहां सत्र 2020-21 में पहली बार एनईपी लागू की थी। इसमें स्नातक को चार वर्षीय पाठ्यक्रम के तौर पर डिजाइन किया गया है। इसमें दाखिले के लिए लविवि का यह पहला बैच होगा। इसमें प्रवेश के लिए एक सेक्शन (60 सीटें) आरक्षित है।

चौथे वर्ष में प्रवेश के लिए वही विद्यार्थी अर्ह होंगे जिन्होंने गत तीन वर्षों में 7.5 सीजीपीए अंक हासिल किए होंगे। सातवें सेमेस्टर में दाखिले के लिए प्रवेश विभाग ने एक सप्ताह पहले नोटिफिकेशन जारी किया था। डीन एकेडमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि चौथे वर्ष में दाखिले के लिए विद्यार्थियों में काफी उत्साह है।

कॉलेजों के विद्यार्थी भी कर रहे आवेदन

प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि स्नातक चौथे वर्ष में कॉलेजों के विद्यार्थियों को भी लविवि में प्रवेश लेने के लिए व्यवस्था की गई है। इसलिए हमारे पास कॉलेजों से भी अच्छी संख्या में पूछताछ के लिए विद्यार्थी आ रहे हैं। उन्हें मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा।

एमएड में दाखिले के लिए चॉइस फिलिंग शुरू

लखनऊ। लविवि में परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए चल प्रवेश प्रक्रिया के तहत एमएड कोर्स के लिए चॉइस फिलिंग शुरू हो गई। प्रवेश समन्वयक डॉ. अनित्य गौरव ने बृहस्पतिवार को पत्र जारी कर इसकी जानकारी दी। प्रवेश विभाग की ओर से जारी पत्र में अभ्यर्थियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह 29 से 31 अगस्त तक विवि की वेबसाइट के एडमिशन पेज पर जाकर लॉगिन आईडी के माध्यम से चॉइस फिलिंग कर दें। ऑनलाइन चॉइस फिलिंग से जुड़ा समस्त विवरण वेबसाइट पर उपलब्ध है। (संवाद)

लखनऊ विश्वविद्यालय में खेल दिवस पर हुई परिचर्चा। संवाद

लखनऊ। उच्च शिक्षण संस्थानों में बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को याद किया गया। लखनऊ विश्वविद्यालय में खेल व राष्ट्र निर्माण विषय पर परिचर्चा हुई।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि खेल और राष्ट्र निर्माण के बीच एक गहरा संबंध है। खेल न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं, बल्कि वे जीवन से जुड़े अन्य व्यावहारिक पक्षों को भी मजबूत करते हैं।

JAGRAN CITY PAGE III

'राष्ट्र को एक सूत्र में बांधती हैं खेल भावना'

राष्ट्रीय खेल दिवस पर स्कूल व संस्थाओं में हुए खेल आयोजन

जासं • लखनऊ: लवि में राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल एवं राष्ट्र निर्माण विषय पर परिचर्चा हुई। चर्चा में कुलपति प्रो. आलोक राय ने कहा कि खेल और राष्ट्र निर्माण के बीच एक गहरा संबंध है। खेल न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं, बल्कि वे जीवन से जुड़े अन्य व्यावहारिक पक्षों को मजबूत करते हैं। खेल भावना समुदायों और राष्ट्रों को एक सूत्र से बांधने व एक पहचान बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने खेल और विद्यार्थी जीवन पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव को बताया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वीके शर्मा ने क्रीड़ा एवं स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा कर प्रतिभागियों को शिक्षा एवं स्वास्थ्य में सतत सामंजस्य स्थापित करने की बात की। संगोष्ठी में इंटरनेशनल सेल के निदेशक प्रो. आरपी सिंह, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह व निदेशक संस्कृतिकी प्रो. आंचल श्रीवास्तव उपस्थित रहीं।

उधर, लवि क्रीड़ा परिषद और हास्टल टीम की ओर से कैलाश छात्रावास में गुरुवार को खेल प्रतियोगिता हुई। छात्रावासों के बीच रस्साकशी प्रतियोगिता हुई। चंद्रशेखर आजाद छात्रावास की छात्राओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कैलाश छात्रावास को द्वितीय स्थान मिला। बैडमिंटन सिंगल में कैलाश छात्रावास की छात्रा कृष्णा और द्वितीय स्थान पर चंद्रशेखर छात्रावास की श्रेया और तृतीय स्थान पर बीरबल साहनी की अश्विनी व कैलाश की रक्षिता रहीं। विजेताओं को कुलपति प्रो. आलोक राय ने सम्मानित किया। इस अवसर पर खेल कैलेंडर का लोकार्पण किया गया। सभी ने खेल की शपथ भी ली।

लवि में राष्ट्रीय खेल दिवस पर हुई खेल प्रतियोगिताओं में विजयी छात्राओं को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने पदक व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया • सौजन्य से लवि

हौसले से जीते जाते हैं खेल

डा. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित गोष्ठी में कुलपति प्रो. संजय सिंह ने कहा कि ध्यानचंद की खेल के प्रति निष्ठा बेजोड़ थी। उन्होंने सीमित संसाधन होते हुए भी अपनी मेहनत से देश का नाम विश्व पटल पर अंकित किया। युद्ध और खेल हौसले से जीते जाते हैं। उन्होंने पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा व मनु भाकर की सराहना की। पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी रुचि द्विवेदी और लक्ष्मण अवार्ड विजेता पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी अबू हुबैदा ने मेजर ध्यानचंद के जीवन के विषय में बताया।

34 वीं राज्य स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक समारोह को सफलता से कराने के लिए गुरुवार को खेल दिवस पर लखनऊ के व्यायाम शिक्षकों, खेल अनुदेशकों और शिक्षकों को सम्मानित किया गया। बीएसए राम प्रवेश और खंड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने टी शर्ट और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सुधीर सहगल, अनुराग सिंह, मंसूर अहमद, धर्मेंद्र सिंह, अजय दास, राकेश शुक्ला, संदीप सिंह, रेनू कनौजिया, रीता मौर्य, अर्चना व लक्ष्मी सिंह मौजूद रहीं • आयोजक

टेबल टेनिस में अरविंद और उमरा प्रथम: अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम कालेज में राष्ट्रीय खेल दिवस पर टेबल टेनिस व बैडमिंटन की प्रतियोगिताएं हुईं। टेबल टेनिस (सिंगल) में बी.ए द्वितीय वर्ष के अरविंद प्रथम, सामर्थ दूसरे, विशाल तीसरे स्थान पर रहे। छात्राओं में बीकाम की उमरा प्रथम, बीए की रुचि द्वितीय, उमा को तीसरा स्थान मिला। टेबल टेनिस डबल में अरविंद, सामर्थ प्रथम, बीकाम के सुमित व विशाल द्वितीय व बीए के सूरज, संदीप तीसरे स्थान पर रहे। बैडमिंटन में बी.काम प्रथम वर्ष के आर्यन पहले, अर्पित दूसरे व बी.ए के शाह आलम तीसरे पर रहे। छात्राओं में उमरा को पहला, रुचि दूसरे व लवी को तीसरा स्थान मिला।

खेलों से सीखते है टीम वर्क : राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खुन खुन जी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छात्राओं को हाकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद के जीवन पर आधारित एक डाक्यूमेंट्री दिखाई। मुख्य अतिथि

हास्टल आवंटन सूची जारी

लखनऊ : लवि ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश वाले छात्र-छात्राओं की हास्टल आवंटन सूची जारी की। बीकाम, बीकाम आनर्स, बीबीए, बीबीए टूरिज्म, बीसए, एलएलबी (आनर्स), बीवाक प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर अपना नाम देख सकते हैं। उन्हें 31 अगस्त तक फीस जमा करने का मौका दिया गया है। एक सितंबर को विद्यार्थियों को अपने माता-पिता और स्थानीय अभिभावक के साथ हास्टल में रिपोर्ट करनी होगी। (जासं)

च्वाइस फिलिंग कल तक

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने गुरुवार को एम.एड पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए च्वाइस फिलिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रवेश समन्वयक डा. अनित्य गौरव ने बताया कि एम.एड की आनलाइन काउंसिलिंग के माध्यम से अभ्यर्थी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों की च्वाइस फिलिंग अपनी लागिन आइडी के माध्यम से 31 अगस्त तक भर सकते हैं। (जासं)

i-NEXT PAGE 4

फर्स्ट सेमेस्टर की हास्टल आवंटन सूची जारी

LUCKNOW: लखनऊ विश्वविद्यालय ने विभिन्न कोर्सों में प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश वाले स्टूडेंट्स की हास्टल आवंटन सूची जारी कर दी है. बीकाम, बीकाम आनर्स, बीबीए, बीबीए टूरिज्म, बीसीए, एलएलबी (आनर्स), बीवाक फर्स्ट सेमेस्टर के स्टूडेंट्स वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर अपना नाम देख सकते हैं. उन्हें 31 अगस्त तक फीस जमा करने का मौका दिया गया है. 1 सितंबर को विद्यार्थियों को अपने माता-पिता और स्थानीय अभिभावक के साथ हास्टल में रिपोर्ट करनी होगी.

एमएड में च्वाइस फिलिंग कल तक

लखनऊ विश्वविद्यालय ने गुरुवार को एमएड में दाखिले के लिए च्वाइस फिलिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी है. प्रवेश समन्वयक डा. अनित्य गौरव ने बताया कि एमएड की आनलाइन काउंसिलिंग के माध्यम से अभ्यर्थी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों की च्वाइस फिलिंग अपनी लागिन आईडी के माध्यम से 31 अगस्त तक भर सकते हैं.

रस्साकशी में विद्यार्थियों ने दिखाया दम

एलयू क्रीड़ा परिषद और हास्टल टीम की ओर से कैलाश छात्रावास में गुरुवार को खेल प्रतियोगिताएं हुई. इसमें विभिन्न छात्रावासों के बीच रस्साकशी प्रतियोगिता हुई. चंद्रशेखर आजाद छात्रावास की छात्राओं ने सभी को पीछे छोड़कर प्रथम स्थान प्राप्त किया. कैलाश छात्रावास को द्वितीय स्थान मिला. बैडमिंटन सिंगल में कैलाश छात्रावास की छात्रा कृष्णा और द्वितीय स्थान पर चंद्रशेखर छात्रावास की श्रेया और तृतीय स्थान पर बीरबल साहनी की अश्विनी व कैलाश की रक्षिता रही. विजेताओं को वीसी प्रो. आलोक राय ने सम्मानित किया.

AMRIT VICHAR PAGE 5

खेल भावना राष्ट्र को एक सूत्र में बांधती हैः प्रो. आलोक

अमृत विचार,लखनऊ : राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय में संगोष्ठी एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। खेल एवं राष्ट्र निर्माण विषय पर आयोजित इस परिचर्चा में खेल से जुड़े विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं व्यावहारिक पक्षों पर चर्चा की गई। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने अपने संदेश में कहा कि खेल और राष्ट्र निर्माण के बीच एक गहरा संबंध है। खेल न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं बल्कि वे जीवन से जुड़े अन्य व्यावहारिक पक्षों को मजबूत करते हैं। खेल भावना समुदायों और राष्ट्रों को एक सूत्र में बांधने और एक पहचान बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रो. मनुका खन्ना ने किया।

PIONEER PAGE 5

खेल भावना राष्ट्र को एक सूत्र में बांधती हैः प्रो आलोक कुमार राय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय खेल दिवस के शुभ अवसर पर गुरुवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय स्तरीय संगोष्ठी एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। खेल एवं राष्ट्र निर्माण विषय पर आयोजित इस परिचर्चा में खेल से जुड़े विभिन्न सामाजिक, संस्कृतिक एवं व्यावहारिक पक्षों पर चर्चा की गई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने अपने संदेश में कहा कि खेल और राष्ट्र निर्माण के बीच एक गहरा संबंध है। खेल न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं, बल्कि वे जीवन से जुड़े अन्य व्यावहारिक पक्षों को मजबूत करते हैं। खेल भावना समुदायों और राष्ट्रों को एक सूत्र ने बांधने और एक पहचान बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विभिन्न स्तर पर आयोजित होने वाले खेलों में हमारा सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व एक संस्कृतिक और राष्ट्रीय सोच एवं एकाग्रता को भी बढ़ावा देता है।संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रति कुलपति प्रो मनुका खन्ना ने किया और उन्होंने खेल और विद्यार्थी जीवन पर व्यापक प्रकाश डाला। डीन स्टूडेंट वेलफेयर ऑफिस द्वारा यह संगोष्ठी डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो वी के शर्मा के निर्देशन में हुई। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय में क्रीड़ा एवं स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा किया और प्रतिभागियों को शिक्षा एवं स्वास्थ्य में सतत सामंजस्य स्थापित करने की बात किया। संगोष्ठी के संयोजन इंटरनेशनल सेल के निदेशक प्रो आर पी सिंह ने किया।

खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

लखनऊ। खेल दिवस के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद एवं हॉस्टल टीम के संयुक्त तत्वावधान में कैलाश छात्रावास में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो आलोक कुमार राय द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी अधिकारियों शिक्षकों एवं हॉस्टल अंत:वासियों को कुलपति ने खेल की शपथ दिलाई। इसी के साथ सम्मानित अतिथियों द्वारा विश्विद्यालय खेल कैलेंडर का लोकार्पण किया गया। खेल प्रतियोगिताओं में सर्वप्रथम विभिन्न छात्रावासों के मध्य रस्साकसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें चंद्रशेखर आज़ाद हॉस्टल की लड़कियों को प्रथम तथा कैलाश छात्रावास को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। बैडमिंटन सिंगल में कैलाश छात्रावास की छात्रा कृष्णा तथा द्वितीय स्थान पर चन्द्रशेखर छात्रावास की श्रेया और तृतीय स्थान पर बीरबल साहनी की अश्विनी और कैलाश की रक्षिता रहीं। विजयी छात्राओं को माननीय कुलपति द्वारा मेडल एवं प्रमाणपत्र वितरित किए गये। इसके पश्चात विभिन्न छात्रावास की अंत:वासियों के मध्य अनेक खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

खेल भावना राष्ट्र को एक सूत्र में बांधती है : प्रो.आलोक

लविवि में राष्ट्रीय खेल दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

स्वतंत्र भारत संवादादात, लखनऊ। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय में संगोष्ठी एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। खेल एवं राष्ट्र निर्माण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में खेल से जुड़े विभिन्न सामाजिक, संस्कृतिक एवं व्यावहारिक पक्षों पर चर्चा की गई। लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने अपने संदेश में कहा कि खेल और राष्ट्र निर्माण के बीच एक गहरा संबंध है।

खेल न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं, बल्कि वे जीवन से जुड़े अन्य व्यावहारिक पक्षों को मजबूत करते हैं। खेल भावना समुदायों और राष्ट्रों को एक सूत्र ने बांधने और एक पहचान बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विभिन्न स्तर पर आयोजित होने वाले खेलों में हमारा सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व एक संस्कृतिक और राष्ट्रीय सोच एवं एकाग्रता को भी बढ़ावा देता है। संगोष्ठी की अध्यक्षता लविवि की प्रतिकुलपति प्रो.मनुका खन्ना ने की, उन्होंने खेल और विद्यार्थी जीवन पर व्यापक प्रकाश डाला। डीन स्टूडेंट वेलफेयर कार्यालय द्वारा उक्त संगोष्ठी डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो.वीके शर्मा के निर्देशन में हुई।

उन्होंने लविवि में क्रीड़ा एवं स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा की और प्रतिभागियों को शिक्षा एवं स्वास्थ्य में सतत सामंजस्य स्थापित करने की बात कही। संगोष्ठी का संयोजन इंटरनेशनल सेल के निदेशक प्रो.आरपी सिंह ने किया। संगोष्ठी में चीफ प्रोवोस्ट प्रो.अनूप कुमार सिंह, निदेशक संस्कृतिकी प्रो.आंचल श्रीवास्तव, एडिशनल डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो.एके कैथल और अन्य शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे।

खेल प्रतियोगिताओं में छात्राओं का बेहतरीन प्रदर्शन

स्वतंत्र भारत संवादादात, लखनऊ। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में लखनऊ विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद एवं हॉस्टल टीम के संयुक्त तत्वावधान में कैलाश छात्रावास में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय द्वारा किया गया। इस दौरान सभी अधिकारियों, शिक्षकों एवं हॉस्टल अंत:वासियों को कुलपति ने खेल की शपथ दिलाई। इसी के साथ सम्मानित अतिथियों द्वारा विश्विद्यालय खेल कैलेंडर का लोकार्पण किया गया। खेल प्रतियोगिताओं में सर्वप्रथम विभिन्न छात्रावासों के मध्य रस्साकसी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें चंद्रशेखर आज़ाद हॉस्टल की लड़कियों को प्रथम तथा कैलाश छात्रावास को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। बैडमिंटन सिंगल में कैलाश छात्रावास की छात्रा कृष्णा तथा

द्वितीय स्थान पर चन्द्रशेखर छात्रावास की श्रेया और तृतीय स्थान पर बीरबल साहनी की अश्विनी और कैलाश की रक्षिता रहीं। विजयी छात्राओं को कुलपति द्वारा मेडल एवं प्रमाणपत्र वितरित किए गये। इसके पश्चात विभिन्न छात्रावास की अंत:वासियों के मध्य अनेक खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रतिकुलपति प्रो.मनुका खन्ना, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.वीके शर्मा, चीफ प्रोवोस्ट प्रो.अनूप कुमार सिंह, कुलानुशाशक प्रो.राकेश द्विवेदी, कार्य अधीक्षक प्रो.डीके सिंह, डीन प्रबंध संकाय प्रो.संगीता साहू, डीन ऐकडेमिक प्रो.गीतांजलि मिश्रा, लविवि क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष प्रो.रुपेश कुमार सांस्कृतिकी निदेशक प्रो.अंचल श्रीवास्तव कैलाश छात्रावास की अभिरक्षिका प्रो.बबीता जयसवाल, विभिन्न छात्रावासों के प्रोवोस्ट,असिस्टेंट प्रोवोस्ट एवं उनके अंत:वासी उपस्थित थे।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

खेल भावना राष्ट्र को एक सूत्र में बांधती है : प्रो आलोक कुमार राय

लखनऊ। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालयस्तरीयसंगोष्ठी एवंपरिचर्चा का आयोजन किया गया। खेल एवं राष्ट्र निर्माण विषय पर आयोजित परिचर्चा में खेल से जुड़े विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिकएवंव्यावहारिकपक्षोंपर चर्चा कीगयी।

लखनऊविश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने अपने संदेश में कहा कि खेल और राष्ट्र निर्माण के बीच एक गहरा संबंध है। खेल न केवल व्यक्तिगतस्वास्थ्यकोबढ़ावादेतेहैंबल्कि वे जीवन से जुड़े अन्य व्यावहारिक पक्षों कोमजबूत करतेहैं।खेल भावना समुदायों और राष्ट्रों को एक सूत्र ने बांधने और एक पहचान बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभातेहैं।विभिन्न स्तर पर आयोजित होने वाले खेलों में हमारा सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व एक संस्कृतिक और राष्ट्रीय सोच एवंएकाग्रता को भी बढ़ावा देता है। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रति कुलपति प्रो मनुका खन्ना ने किया और उन्होंने खेल और विद्यार्थी जीवन पर व्यापक प्रकाश डाला। डीन स्टूडेंट वेलफेयर ऑफिस द्वारा यह संगोष्ठी डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो वीके शर्मा के निर्देशन में हुई। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय में क्रीड़ा एवं स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा किया और प्रतिभागियों कोशिक्षा एवंस्वास्थ्य मेंसतत सामंजस्य स्थापित करने की बात किया। संगोष्ठी के संयोजन इंटरनेशनल सेल के निदेशक प्रो आरपी सिंह ने किया।संगोष्ठी में चीफ प्रोवोस्ट प्रो अनूप कुमार सिंह, निदेशक संस्कृतिकी प्रो आंचल श्रीवास्तव, एडिशनल डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो एके कैथल और अन्य शिक्षक एवंछात्र उपस्थित रहे।

रस्साकसी प्रतियोगिता में चंद्रशेखर आजाद हॉस्टल की छात्राएं अव्वल

लखनऊ। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद एवं हॉस्टल टीम के संयुक्त तत्वावधान में कैलाश छात्रावास में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने किया। कार्यक्रम के दौरान सभी अधिकारियों शिक्षकों एवं हॉस्टल अंतःवासियों को कुलपति ने खेल की शपथ दिलाई। इसी के साथ सम्मानित अतिथियों द्वारा विश्विद्यालय खेल कैलेंडर का लोकार्पण किया गया। खेल प्रतियोगिताओं में सर्वप्रथम विभिन्न छात्रावासों के मध्य रस्साकसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें चंद्रशेखर आजाद हॉस्टल की लड़कियों को प्रथम तथा कैलाश छात्रावास को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। बैडमिंटन सिंगल में कैलाश छात्रावास की छात्रा कृष्णा तथा द्वितीय स्थान पर चन्द्रशेखर छात्रावास की श्रेया और तृतीय स्थान पर बीरबल साहनी की अश्विनी और कैलाश की रक्षिता रहीं। विजयी छात्राओं को कुलपति द्वारा मेडल एवं प्रमाणपत्र वितरित किए गये। इसके बाद विभिन्न छात्रावास की अंतःवासियों के मध्य अनेक खेलकूदप्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रति कुलपति प्रो मनुका खन्ना, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो वीके शर्मा, चीफ प्रोवोस्ट प्रो अनूप कुमार सिंह, कुलानुशासक प्रो राकेश द्विवेदी, कार्य अधीक्षक प्रो डीके सिंह, डीन प्रबंध संकाय प्रो संगीता साहू, डीन एकेडमिक प्रो गीतांजलि मिश्रा, लखनऊ विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष प्रो रुपेश कुमार, सांस्कृतिकी निदेशक प्रो अंचल श्रीवास्तव, कैलाश छात्रावास की अभिरक्षिका प्रो बबीता जयसवाल, विभिन्न छात्रावासों के प्रोवोस्ट, असिस्टेंट प्रोवोस्ट एवं उनके अंतःवासी उपस्थित थे।

लविवि में एमएड पाठ्यक्रम की च्वॉइस फिलिंग शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2024-25 परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया के तहत एमएड पाठ्यक्रम की च्वाइस फिलिंग शुरू कर दी गई है। इस संबंध में प्रवेश समन्वयक की ओर से निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्रवेश समन्वयक डॉ. अनित्य गौरव ने बताया कि 31 अगस्त तक अभ्यर्थी च्वाइस फिलिंग कर सकेंगे।इसके लिए उन्हें आधिकारिक वेबसाइट के एडमिशन पेज पर जाकर पूर्व में दिए गए लॉगिन आईडी व पासवर्ड का इस्तेमाल करना होगा।

LU holds contests on Sports Day

Sports Council of Lucknow University organized a series of events to mark National Sports Day, at Kailash Hostel on Thursday.

The event was inaugurated by Alok Kumar Rai, vice-chancellor, LU. The competitions kicked off with a thrilling tug-of-war between girls' hostels.

TOI PAGE 2, 3

In a 1st, Arts College student to get gold medal during LU convocation

Mohita.Tewari
@timesofindia.com

Lucknow: For the first time in the 113-year-old history of Lucknow University's College of Arts and Craft, a fine arts student will be awarded a gold medal during the varsity's convocation ceremony on Sept 16.

The medal is constituted in the name of the college's former student and renowned Nepalese artist, lyricist, and philanthropist Ragini Upadhyaya.

Upadhyaya, who was the former chancellor of the second council of the Nepal Academy of Fine Arts, is paying the fees of Rs 5 lakh, with the interest of which the best performing student will be awarded the Ragini Upadhyay Gold Award every year.

So far, the only medal that has been awarded to meritorious students of LU's fine arts faculty is the Chancellor's Bronze medal, which is given to the highest scoring student in the Bachelor of Fine Arts (final year) course.

"Upadhyaya is known globally for her fusion of mythology, symbolism, and modernism in her surrealist and abstract paintings. Her art often features social commentary and feminist or matriarchal themes. This is an exemplary gesture by our alumna not just to stay connected with her institution but also to support and motivate coming generations who will take forward the rich legacy of the fine arts faculty," said LU vice chancellor Prof Alok Kumar Rai.

Upadhyaya did her Bachelor in Fine Arts in 1982 and has won dozens of awards and recognitions.

A teacher at Arts College, Vibhavari Singh, said: "Getting a gold medal used to be a dream of our meritorious students, but unfortunately, there was just a single medal in the faculty, that too bronze. We see this medal not just as a gold medal but as a motivation for our students who always aim for the highest award and recognition in whichever field they go, and they come back and constitute a medal in their name."

Talking to TOI Upadhyaya said:"Whatever I am today is because of Arts College and my mentors like Jai Krishna Agarwal and BN Arya who taught me during college days."

IN HER NAME: Ragini Upadhyaya

College introduced wash painting

Established in 1911, Lucknow College of Arts and Craft is known to have world-famed artists as heads of the institution like noted painter and educationist Sudhir Ranjan Khastgir. The college was a pioneer in starting the wash painting in the Indian style, and the Lucknow Wash School is famous worldwide.

LOKSATYA PAGE 3

खेल भावना राष्ट्र को एक सूत्र में बांधती है : प्रो आलोक

लखनऊ,लोकसत्य। राष्ट्रीय खेल दिवस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय स्तरीय संगोष्ठी एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। खेल एवं राष्ट्र निर्माण विषय पर आयोजित इस परिचर्चा में खेल से जुड़े विभिन्न सामाजिक, संस्कृतिक एवम व्यावहारिक पक्षों पर चर्चा की गई। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने अपने संदेश में कहा कि खेल और राष्ट्र निर्माण के बीच एक गहरा संबंध है। खेल न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं, बल्कि वे जीवन से जुड़े अन्य व्यावहारिक पक्षों को मजबूत करते हैं। खेल भावना समुदायों और राष्ट्रों को एक सूत्र ने बांधने और एक पहचान बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विभिन्न स्तर पर आयोजित होने वाले खेलों में हमारा सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व एक संस्कृतिक और राष्ट्रीय सोच एवं एकाग्रता को भी बढ़ावा देता है।

संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रति कुलपति प्रो मनुका खन्ना ने किया और उन्होंने खेल और विद्यार्थी जीवन पर व्यापक प्रकाश डाला। डीन स्टूडेंट वेलफेयर ऑफिस द्वारा यह संगोष्ठी।

डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो वी के शर्मा के निर्देशन में हुई। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय में क्रीड़ा एवं स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा किया और प्रतिभागियों को शिक्षा एवं स्वास्थ्य में सतत सामंजस्य स्थापित करने की बात किया। संगोष्ठी के संयोजन इंटरनेशनल सेल के निदेशक प्रो आर पी सिंह ने किया। संगोष्ठी में चीफ प्रोवोस्ट प्रो अनूप कुमार सिंह, निदेशक संस्कृतिकी प्रो आंचल श्रीवास्तव, एडिशनल डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो ए के कैथल और अन्य शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे।